बाल भारती पब्लिक स्कूल
गंगाराम अस्पताल मार्ग
सत्र – 2013-14
कक्षा - आठ
विषय – हिंदी
नियत कार्य संख्या - 5

FA-3

पाठ्यपुस्तक : पश्चात्ताप
व्याकरण : पर्यायवाची, लोकोक्तियाँ
अशुद्ध वाक्यों का संशोधन

प्र०1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए।
(क) जगतसिंह को स्कूल जाना किसके समान अप्रिय था?
(ख) जगतसिंह के लिए मनोरंजक विषय कौन-कौन से थे?
(ग) भगतसिंह को जगतसिंह के कारण कौन-कौन सी हानियाँ उठानी पड़ीं?
(घ) मुंशी भगतसिंह पर किसका मुकदमा दायर हो गया?
(ङ) कप्तान ने कौन-सी बात देखकर जगतसिंह को फौज में भर्ती कर लिया?
(च) जगतसिंह कौन-से दिन की आस लगाए बैठा था?
(छ) सैनिक अफसर को देखते ही भगतसिंह ने अपने मन में क्या कहा?
(ज) अन्त में जगतसिंह ने क्या किया?

प्र०2. किसने किससे कहा?
(क) "बिलकुल नहीं राजपूत हूँ।"
(ख) "घर पर है ही कौन?"
(ग) "तो क्या यहीं पड़े रहोगे?"
(घ) "अगर ये लोग निकाल न देंगे, तो यहीं पड़ा रहूँगा।"

प्र०3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द छाँटकर करें।
(क) उन्होंने कितनी ही बार उसे बड़ी ——— से पीटा। (सहृदयता / निर्दयता)
(ख) उसे स्नेहमयी माता की याद आने लगी, जो पिता के क्रोध, बहनों के धिक्कार और स्वजनों के ——— से उसकी रक्षा करती रहती थी। (सम्मान / तिरस्कार)

(ग) किंतु बूढ़ा भगतसिंह अपनी अँधेरी कोठरी में सिर झुकाए — बैठा हुआ है। (प्रसन्न / उदास)

प्र०५. उचितवर्तनी पर सही का चिह्न लगाइए।

(क) स्म्रतियाँ, स्मृतियाँ, समृतियाँ

(ख) आशीर्विद, आशीवाद, आर्शिवाद

(ग) परामरश, परामर्श, परार्मश

प्र०६. शब्द के उचित अर्थ पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) देहात — (शहर / गाँव)

(ख) विक्षिप्त — (पागल / दयालु)

(ग) फिटन — (घोड़ा-गाड़ी / बैल-गाड़ी)

(घ) कवायद — (भ्रमण / व्यायाम)

प्र०6. उचित पर्यायवाची पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) देवता — (मनुष्य / सुर)

(ख) दास — (स्वामी / नौकर)

(ग) युद्ध — (रण / शान्ति)

प्र०7. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

(क) शीला बहुत आज्ञाकारी है।

(ख) मेरे को अभी बाज़ार जाना है।

(ग) मैं मेरा काम करता हूँ।

(घ) संतरा खोल दो।

प्र०8. उचित लोकोक्ति पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) अंत भले का भला — {अच्छे का परिणाम अच्छा होता है। / अच्छे का परिणाम बुरा होता है।}

(ख) अपना हाथ जगन्नाथ — {परिश्रम में शक्ति होती है। / परिश्रम में शक्ति नहीं होती है।}

(ग) आम के आम गुठलियों के दाम — {तिगुना लाभ / दोहरा लाभ}

(घ) ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया — {भाग्य की विविधता / भाग्य की विचित्रता}

(ङ) खोदा पहाड़ निकली चुहिया — {परिश्रम अधिक, फल कम / परिश्रम कम, फल अधिक}